

भागलपुर से दिल्ली-कोलकाता के लिए जल्द शुरू होगी सीधी उड़ान

केंद्र ने बिहार सरकार को सौंपी AAI रिपोर्ट



बिहार पत्रिका | भागलपुर

भागलपुर हवाई अड्डे के विकास और यहां से क्षेत्रीय हवाई सेवाएं शुरू होने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। लोकसभा में सांसद अजय कुमार मंडल द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न के जवाब में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किजरापु राममोहन नायडू ने बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एआरआई) ने भागलपुर हवाई पट्टी के विस्तार तथा एटीआर-72 विमानों के संचालन के लिए व्यवहार्यता (फीजिबिलिटी) सर्वे पूरा कर अप्रैल 2026 में अपनी रिपोर्ट बिहार सरकार को सौंप दी है। केंद्रीय मंत्री ने सदन में बताया कि केंद्र सरकार

ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान का नया चरण शुरू किया है। इसके तहत राज्य सरकारों से नए हवाई अड्डों के विकास के प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे। भूमि की उपलब्धता, आवश्यक आधारभूत संरचना और तकनीकी मानकों की समीक्षा के बाद केंद्र सरकार अंतिम निर्णय लेगी। मंत्री के जवाब के बाद भागलपुर में हवाई अड्डे के विकास की संभावनाओं को नई गति मिली है। माना जा रहा है कि बिहार सरकार द्वारा आवश्यक औपचारिकताएं और आधारभूत व्यवस्थाएं पूरी किए जाने के बाद भागलपुर को उड़ान योजना में शामिल करने की राह और आसान हो सकती है।

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई

क्रांतिकारी के आदर्शों पर चलने और राष्ट्रसेवा का संकल्प लेने का किया आह्वान

बिहार पत्रिका | परबत्ता

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा उनके अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम और बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरीय शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बरका गांव में हुआ था। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए समर्पित कर दिया। वे ऐसे क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अन्याय के सामने कभी सिर नहीं झुकाया और अंतिम सांस तक अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते रहे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड ने चंद्रशेखर आजाद के मन पर गहरा प्रभाव डाला था। उस समय वे छात्र जीवन में थे, लेकिन इस घटना ने उनके भीतर देश की आजादी के लिए संघर्ष करने की प्रबल भावना पैदा कर दी। महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन में भी उन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई और छात्र आंदोलन के दौरान पहली बार गिरफ्तार हुए। सिद्धार्थ कुमार ने



कहा कि चंद्रशेखर आजाद ने भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और अन्य क्रांतिकारी साथियों के साथ मिलकर स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) के माध्यम से ऐसे भारत का सपना देखा, जहां किसान, मजदूर और आम नागरिकों को समान अधिकार, सम्मान और न्याय मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि बचपन में अंग्रेजों द्वारा 15 कोड़ों की सजा दिए जाने के बाद चंद्रशेखर आजाद ने संकल्प लिया था कि वे जीवन में कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं आएं। उन्होंने अपने इस संकल्प को 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अलफ्रेड पार्क में पुलिस से घिर जाने पर स्वयं को गोली मारकर पूरा किया और मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। शिक्षक निरंजन कुमार ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बताया कि मात्र 15 वर्ष की आयु में

मजिस्ट्रेट के सामने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर जेल बताने वाले चंद्रशेखर ने अपने अदम्य साहस और निर्भीकता का परिचय दिया था। उनका संपूर्ण जीवन देशभक्ति, आत्मसम्मान और त्याग का अनुपम उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम में चंद्रशेखर आजाद के योगदान से अवगत कराया गया तथा उनसे उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्रहित, अनुशासन, ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर सिद्धार्थ कुमार, निरंजन कुमार, रामविनोद साह, मीनाक्षी कुमारी, उत्कर्ष कुमार, सार्थक कुमार, आयुष कुमार, प्रियांशु कुमार, निक्की कुमारी, महक कुमारी, शिवानी कुमारी, साक्षी कुमारी, संध्या कुमारी, सोनम कुमारी, आराधना कुमारी, अनुपम कुमारी सहित विद्यालय के शिक्षक एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला जनगणना हस्त पुस्तिका निर्माण के लिए प्रशिक्षण शुरू

बिहार पत्रिका | बांका

आगामी जनगणना कार्य को अधिक व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को आरएमके हाई स्कूल, बांका परिसर में जिला जनगणना हस्त पुस्तिका निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण में अमरपुर एवं चांदन प्रखंड के क्षेत्रीय कमियों तथा दोनों प्रखंडों के चार्ज पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन निदेशालय से आए प्रशिक्षकों रविंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिन्हा, विवेक प्रकाश एवं खालिद अहमद अब्बास द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी देवनायराय पंडित तथा जिला सांख्यिकी पदाधिकारी पंकज कुमार की उपस्थिति में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण 22 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन दो बैचों में



आयोजित किया जाएगा, जिसमें अलग-अलग प्रखंडों के क्षेत्रीय कमियों एवं चार्ज पदाधिकारियों को जनगणना हस्त पुस्तिका तैयार करने में सक्रिय रूप से भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशासन का मानना है कि इस प्रशिक्षण से जनगणना कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता सुनिश्चित होगी तथा भविष्य में जिलास्तर पर आंकड़ों के संकलन और विश्लेषण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

पहले दिन आयोजित सत्र में अमरपुर प्रखंड से 45 तथा चांदन प्रखंड से 45 क्षेत्रीय कमियों सहित दोनों प्रखंडों के चार्ज पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशासन का मानना है कि इस प्रशिक्षण से जनगणना कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता सुनिश्चित होगी तथा भविष्य में जिलास्तर पर आंकड़ों के संकलन और विश्लेषण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

नीट पेपर लीक विरोध को लेकर खगड़िया प्रशासन अलर्ट

कलेक्ट्रेट समेत संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा बढ़ाई

बिहार पत्रिका | खगड़िया



देशभर में नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच खगड़िया जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। छात्र संगठनों द्वारा संभावित प्रदर्शन और कलेक्ट्रेट घेराव की आशंका को देखते हुए गुरुवार को जिला मुख्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। कलेक्ट्रेट परिसर सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन के निर्देश पर कलेक्ट्रेट के मुख्य प्रवेश द्वार पर महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है। आने वाले लोगों से पूछताछ के बाद ही उन्हें अंदर जाने

मजबूर कर दी है। प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की संख्या बढ़ाई गई है, जबकि लगातार गश्ती कर सदैव्य व्यक्ति एवं वाहनों की जांच की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह एहतियात के तौर पर बढ़ाई गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय

रहते निपटा जा सके। पुलिस सभी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। यदि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था बिगाड़ने, सरकारी कार्य में बाधा डालने अथवा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अप्रवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी सदैव्य गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

मिड डे मील में मरा सांप मिलने से हड़कंप, भोजन करने के बाद 20 से अधिक छात्र बीमार

बिहार पत्रिका | चौथम

खगड़िया जिले के चौथम प्रखंड स्थित कन्या मध्य विद्यालय भूतौली में गुरुवार को मिड डे मील में कथित तौर पर मरा हुआ सांप मिलने के बाद हड़कंप मच गया। भोजन करने के कुछ ही देर बाद 20 से अधिक छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई, जिससे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बच्चों ने पेट दर्द, उल्टी, चक्कर और बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक विद्यालय पहुंच गए और मिड डे मील व्यवस्था को लेकर जमकर नाराजगी जताई। परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण संवेदनशील बड़ी घटना हुई। विद्यालय में मिड डे मील खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य

वैद्यम के कन्या मध्य विद्यालय भूतौली की घटना, परिजनों का हंगामा, जिला प्रशासन ने शुरू की जांच

विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई। सभी प्रभावित बच्चों को चौथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अधिकांश बच्चों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि भोजन में कथित तौर पर मरा हुआ सांप कैसे पहुंचा और भोजन तैयार करने तथा परोसने की प्रक्रिया में किस स्तर पर लापरवाही हुई। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि

सरकारी विद्यालयों में मिड डे मील की गुणवत्ता की नियमित निगरानी आवश्यक है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो। अभिभावकों ने भी भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच और जिम्मेदार एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बिहार में मिड डे मील को लेकर इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। हाल ही में सहरसा जिले के महिषी प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय बलुआहा में भी भोजन खाने के बाद कई बच्चों की तबीयत बिगड़ गई थी। उस मामले में एक छात्र की थाली में सांप का बचा मिलने का दावा किया गया था। घटना के बाद बड़ी संख्या में बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। फिलहाल चौथम की घटना में भोजन में मरा सांप मिलने के दावे और बच्चों के बीमार होने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। प्रशासन ने कहा है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत के सौंदर्यीकरण बोर्ड पर चमका निजी विद्यालय का पोस्टर, अनुमति को लेकर संशय

बिहार पत्रिका | बांका

बाँसी/बांका। नगर पंचायत क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और शहर के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से लगाए गए होर्डिंग बोर्ड अब एक नए विवाद का कारण बन गए हैं। इन सरकारी होर्डिंग पर एक निजी विद्यालय का प्रचारत्मक पोस्टर लगाए जाने के बाद लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या सरकारी बोर्ड का उपयोग निजी संस्थानों के विज्ञापन के लिए किया जा सकता है और यदि हां, तो इसकी निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया है या नहीं। इस संबंध में जब नगर पंचायत अध्यक्ष कोमल भारती से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि कोई भी निजी व्यक्ति या संस्था नगर पंचायत के होर्डिंग पर विज्ञापन लगा सकती है। इसके लिए नगर पंचायत कार्यालय में आवेदन देना होता है तथा निर्धारित शुल्क जमा करना पड़ता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित निजी विद्यालय ने



आवेदन दिया है या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें फिलहाल नहीं है। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी सोनाली कुमारी ने भी कहा कि इस मामले में अभिलेखों की जांच करनी होगी। उन्होंने बताया कि यह देखना पड़ेगा कि संबंधित संस्था द्वारा विज्ञापन लगाने के लिए आवेदन दिया गया था या नहीं। गौरतलब है कि जिस निजी विद्यालय का पोस्टर

सरकारी होर्डिंग पर लगाया गया है, उससे जुड़े व्यक्ति वर्तमान में नगर पंचायत के वार्ड पार्षद भी हैं। ऐसे में मामले ने और अधिक चर्चा का विषय बना दिया है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि नगर पंचायत प्रशासन इस मामले की जांच कर क्या कार्रवाई करता है और क्या सरकारी होर्डिंग के उपयोग से जुड़े नियमों का पालन किया गया था या नहीं।

नवगछिया के यात्रियों के लिए खुशखबरी, LHB कोच से लैस होकर चलेगी हापा-नाहरलागुन स्पेशल

बिहार पत्रिका | भागलपुर

नवगछिया होकर चलने वाली हापा-नाहरलागुन स्पेशल ट्रेन अब एलएचबी कोच के साथ चलेगी। ट्रेन 29 जुलाई से एलएचबी कोच के साथ चलने लगेगी। ट्रेन गुजरात के हापा से अरुणाचल प्रदेश के नाहरलागुन (इटानगर) के बीच 3200 किलोमीटर का यात्रा तय करती है। ट्रेन गुजरात, मध्यप्रदेश,

उत्तरप्रदेश के कानपुर, प्रयागराज व बनारस होते हुए बिहार के छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नवगछिया, कटिहार, किशनगंज होते हुए पश्चिम बंगाल, असम होते हुए गंतव्य तक पहुंचती है। ट्रेन बुधवार को देर रात 12:40 पर हापा से चलकर दूसरे दिन गुरुवार को साढ़े नौ बजे नवगछिया पहुंचती है। जबकि हर शनिवार को ये ट्रेन सुबह 9.40 बजे चलकर देर

रात (रविवार) 2:18 बजे नवगछिया पहुंचती है। दुर्गापूजा, दिवाली, होली व छठ में हजारों प्रवासी यात्री इस ट्रेन से भी घर लौटते हैं। रेलवे संचालन और प्रबंधन से जुड़े तकनीकी विषयों पर हिंदी में मौलिक लेखन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय ने लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन परस्कार योजना-2025 के लिए प्रविष्टियां मांगी है।

भरत तिवारी एनकाउंटर केस: न्यायिक आयोग सख्त

DM-SP से तलब की FSL और पोस्टमार्टम रिपोर्ट



बिहार पत्रिका | आरा

भोजपुर जिले के शाहपुर थाना के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर प्रकरण की न्यायिक जांच लगातार जारी है। इधर, न्यायिक जांच आयोग ने मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) जांच रिपोर्ट और केस से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस संबंध में न्यायिक जांच आयोग के सचिव सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने भोजपुर के डीएम एवं पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजा है। आयोग ने लंबित जांच के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से दर्ज संबंधित कांडों की प्रमाणित केस, डायरी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल को भेजे गए हथियार एवं मृतक के विसरा जांच से संबंधित प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आयोग ने यह भी कहा है कि यदि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, वीडियोफ़ुटाजी अथवा अन्य डिजिटल साक्ष्य उपलब्ध हों तो

उनकी प्रतियां भी आयोग को उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आयोग की जांच के दौरान मांगे गए सभी अभिलेख समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई मौत के मामले की जांच न्यायिक जांच आयोग द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में आयोग ने अब पोस्टमार्टम, फॉरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों की रिपोर्ट तलब की है। पहले चरण में 11 जुलाई से न्यायिक जांच आयोग के समक्ष गवाही की प्रक्रिया शुरू हुई है। 15 जुलाई तक पॉइंट पक्ष की ओर से भरत की मां आशा देवी, पिता काशीनाथ तिवारी, भाई चंदन तिवारी और भाभी सुमन देवी समेत नौ लोगों की गवाही पूरी हो चुकी है। पुलिस प्रशासन की ओर से जगदीशपुर एसडीओ एवं तत्कालीन डीएसपी, तत्कालीन थानाध्यक्ष समेत नौ की गवाही हो चुकी है। पॉइंट पक्ष के शेष गवाहों के बयान दूसरे चरण में दर्ज किए जाएंगे।

मानपुर सीएचसी में 55 टीबी मरीज छह माह के लिए गोद



बिहार पत्रिका | गया

गया जी मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में बुधवार को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में 55 टीबी मरीजों को छह महीने के लिए गोद लिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों को नियमित दवा के साथ पौष्टिक आहार और आवश्यक सहयोग उपलब्ध करार उनके उपचार को सफल बनाना है। कार्यक्रम के दौरान लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल, वजीरगंज ने 50 टीबी मरीजों को गोद लेने की जिम्मेदारी

ली। वहीं शादीपुर पंचायत के मुखिया हिप्पी सिंह ने एक टीबी मरीज को गोद लिया। इसके अलावा मानपुर सीएचसी के प्रभारी एवं स्वास्थ्य प्रबंधक ने चार मरीजों को छह माह तक पौष्टिक आहार, दवा और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इसअवसर पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि टीबी का समय पर इलाज, नियमित दवा और संतुलित पोषण मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से निश्चय मित्र बनकर टीबी मरीजों की सहायता करने की अपील की।



पुलिसकर्मी की हत्या के बाद दो आतंकवादियों के घर पर चला बुलडोजर

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक आतंकवादी हमले में पुलिसकर्मी आशिक हुसैन की मौत के कुछ घंटे बाद प्रशासन ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों के मकान ढहा दिए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सक्रिय आतंकवादी आदिल टोकर और हारून राशीद गनई के मकान बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात ध्वस्त कर दिए गए।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई बुधवार दोपहर अनंतनाग के लाल चौक में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा इयूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन की एक आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ ही घंटे बाद की गई। कश्मीर में इससे पहले ही सक्रिय आतंकवादियों के मकान ढहाए गए हैं, लेकिन हिंसा की घटनाओं में कमी आने के कारण पिछले करीब एक साल से ऐसी कार्रवाई बंद थी, लेकिन पुलिसकर्मी की मौत के बाद यह कार्रवाई की गई।

रांची में नीट प्रदर्शन हिंसक : भाजपा कार्यालय के बाहर पथराव

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा प्रदेश कार्यालय के घेराव के दौरान हरमू इलाके में राजनीतिक तनाव चरम पर है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरमू मैदान से मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें भाजपा कार्यालय से पहले बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और नीट कार्रवाई बंद थी, लेकिन पुलिसकर्मी की मौत के बाद यह कार्रवाई की गई। दूसरी ओर, भाजपा कार्यालय के बाहर पहले से मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जबाबी नारेबाजी की, जिससे माहौल और गर्म हो गया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच उड़ें और टमाटर फेंकने शुरू हो गए, जो जल्द ही पथराव में बदल गए। इस झड़प में कई मीडियाकर्मियों के घायल होने की खबर है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी सहित कई वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस ने मोर्चा सभाला और अतिरिक्त बल तैनात कर दोनों पक्षों को नियंत्रित किया। तबे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता वापस लौट गए और भाजपा कार्यकर्ता भी तितर-बितर हो गए। एहतियातन भाजपा कार्यालय और आसपास भारी सड़क्या में पुलिस बल तैनात है और कानून व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कटिहार में नीट प्रदर्शन : बवाल, पथराव, मजिस्ट्रेट की आंख में गंभीर चोट

पटना (एजेंसी)। पटना के बाद कटिहार में भी नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गुरुवार को कटिहार समाहरणालय पर जुड़े छात्रों ने पथराव किया, जिसमें एक मजिस्ट्रेट गंभीर रूप से घायल हो गए। नीट परीक्षा में कथित बाधनी के विरोध में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की बख्शस्ती की मांग कर प्रदर्शन किया। तथ्यों में बैनर -पोस्टर लिए सैकड़ छात्र सुबह होते ही समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जमा हो गए। पटना में हुए बवाल के मद्देनजर बिहार पुलिस पहले ही अलर्ट पर थी। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और कलेक्ट्रेट को वरों और से घेर लिया। एहतियात के तौर पर समाहरणालय के दोनों गेट बंद कर दिए गए थे। छात्र लगातार नारेबाजी कर रहे थे और प्रदर्शन हिंसक रूप लेने लगा। छात्रों द्वारा लगातार नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच अचानक पथराव शुरू हो गया। अस्माजिक तत्वों द्वारा किए गए पथराव में मजिस्ट्रेट के तौर पर तैनात कटिहार अंचल अधिकारी (सीओ) सोनु भगत की आंख में गंभीर चोट आई। सीओ भगत ने बताया कि अचानक पथरा उनके चेहरे पर लगा, जिससे चश्मा टूट गया और आंख बुरी तरह जखमी हो गई। पथराव के जवाब में पुलिस ने तुरंत लाठीचार्ज किया, जिससे वहां भगदड़ मच गई। पुलिस ने छात्रों को समाहरणालय परिसर से खदेड़ना शुरू किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। पटना की तरह ही कटिहार में भी कवरज कर रहे मीडियाकर्मियों के साथ बदसलुकी की खबरें सामने आईं। पुलिस के सख्त खड़े के बाद छात्र वहां से भाग खड़े हुए। फिलहाल, खबर लिखे जाने तक पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है और स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

शिवपुरी से तोप चोरी : राजस्थान में बांध उड़ाने की साजिश के इनपुट पर ताबड़तोड़ छापेमारी

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में मौजूद प्रसिद्ध और प्राचीन नरवर किले से चोरी हुईऐतिहासिक तोप के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की पड़ताल कर रही शिवपुरी पुलिस को पड़ोसी राज्य राजस्थान के करौली से बेहद अहम इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर चोरी की धरपकड़ के लिए राजस्थान सीमा में ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। इस चोरी के पीछे एक बेहद खतरनाक मकसद होने का दावा किया जा रहा है कि कथित तौर पर एक मिट्टी के बांध को उड़ाना। यह बेवकौफी तोप 15 जुलाई 2026 को नरवर किले से चुराई गईथी, जिसके बाद से ही इतिहास प्रेमियों में भारी आकांक्षा थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित कर रहा है। मामले में सबसे हेरान करने वाला खुलासा सुर्जे और चर्चाओं से सामने आया है। उदा।किया जा रहा है कि इस प्राचीन तोप को किसी सामान्य चोरी के इरादे से नहीं, बल्कि एक बड़े मिट्टी के बांध को उड़ाने की विशेष साजिश के तहत चुराया गया था। हालांकि, प्रशासनिक या पुलिस अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर बांध उड़ाने की थ्योरी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इनपुट के बाद मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस दोनों अलर्ट मोड पर आ गई हैं। जांच में साफ हुआ है कि आरोपी तोप चुराने के तुरंत बाद राजस्थान सीमा में ले गए थे। इसके बाद शिवपुरी पुलिस ने तालमेल बिटाकर संयुक्त रणनीति तैयार की और संदेहास्पद ठिकानों पर दंकिश देना शुरू किया है। शिवपुरी जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया, राजस्थान पुलिस के सहयोग से सटीक लोकेशन और सदियोंपर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी वारदात का खुलासा कर ऐतिहासिक तोप को सुरक्षित बरामद किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों के बेहद करीब पहुंचा जा चुका है। राजा नल और दमयंती की कथाओं से जुड़े नरवर किले का स्थापना और इतिहास बेहद समृद्ध रहा है। किले से दत्तनी भारी-भरकम तोप का चोरी होना और सुरक्षा घेरा तोड़कर राजस्थान तक ले जाना घरोहरी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस के उस खुलासे पर टिकी हैं जो बांध उड़ाने की इस कथित साजिश का पूरा सच सामने लाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने समय उचित नहीं कह टाली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

- सावन में कथित शिवलिंग की पूजा की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानवापी परिसर में सावन माह के दौरान कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाधिपिक की अनुमति देने संबंधी याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई का उचित समय नहीं है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अदालत को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित संरचना से संबंधित अपनी रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। इस पर सीजेआई ने कहा कि सभी पक्षों को धैर्य रखना चाहिए और पहले से अनेक मामले लंबित हैं। अदालत ने इसके बाद अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। न्यायालय में पेश याचिका में हिंदू पक्ष ने मांग की है कि सावन के पवित्र महीने में ज्ञानवापी परिसर के सीलबंद क्षेत्र में स्थित कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाधिपिक की अनुमति दी जाए। ऐसे में अदालत ने उचित समय नहीं होने का हवाला देते हुए



सुनवाई को दो सप्ताह के लिए टाल दिया है। गौरतलब है कि 15 मई 2022 को एडवोकेट कमिश्नर की निगरानी में हुए सर्वेक्षण के दौरान परिसर में एक



संरचना मिलने का दावा किया गया था। हिंदू पक्ष इसे प्राचीन शिवलिंग बताता है, जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वह वज्रूजाने का फव्वारा है। इसके बाद

20 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने विवादित स्थल को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उस हिस्से को सीलबंद रखने का अंतरिम आदेश दिया था।

रिजिजू बोले- विपक्ष शर्तें हटाए, सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार



-एनडीए के सभी दल चर्चा चाहते हैं, विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध गुरुवार को भी बना रहा। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार शुरू से ही नीट मुद्दे पर चर्चा कराने के पक्ष में रही है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सहयोगी दल भी इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा चाहते हैं।

रिजिजू ने सदन को बताया कि सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्ष के अन्य नेताओं से बातचीत की गई, ताकि सदन को कार्यवाही सुचारु रूप से चल

सके और नीट मुद्दे पर चर्चा शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा को अवधि और स्वरूप तय करने को लेकर लचीला रहने का अपनाने को तैयार है, लेकिन किसी भी प्रकार की पूर्व शर्त स्वीकार नहीं की जा सकती। संसदीय कार्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष चर्चा की मांग तो कर रहा है, लेकिन शर्तें लगाकर उसे टालने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि विपक्ष वास्तव में चर्चा नहीं चाहता। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह अपनी शर्तें वापस लेकर सदन में सार्थक बहस होने दें।

रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक जैसी घटनाओं पर दीर्घायो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रेक न्यायालयों को व्यवस्था की जा रही है, ताकि दीर्घायो को जल्द और सख्त सजा मिल सके।

विवाद के बाद सेना प्रमुख के दफ्तर से हटाई गई नई पेंटिंग , अब लगा सेना का प्रतीक चिह्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख के साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय (लाउंज) के बैकड्रॉप में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। पिछले कुछ समय से सैन्य दिग्गजों के बीच विवाद का कारण बनी पेंटिंग को वहां से हटा दिया गया है। आगामी 13.5वें डूडकॉक फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर जारी सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के एक वीडियो संदेश में यह बदलाव देखा गया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि उनके कार्यालय की लकड़ी के फैनल वाली दीवार पर अब उस विवादित पेंटिंग की जगह भारतीय सेना का प्रतीक चिह्न स्थापित कर दिया गया है।



हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया था। इसकी जगह जो नई पेंटिंग लगाई गई थी, उसमें पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के किनारे सेना के टैंक, आसमान में हेलियारबंद हेलिकॉप्टर, थल हतकेत भावान कृष्ण और एलएसी की ओर इशारा करते चाणक्य को चित्रित किया गया था। भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे गौरवशाली क्षण को दर्शाते वाली तस्वीर को हटाए जाने पर कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कड़ा

एतराज जताया था।

विवाद बढ़ने के बाद, 1971 के सरेंडर वाली मूल पेंटिंग को दिव्हे कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया था। उस समय तर्क दिया गया था कि सेना प्रमुख के दफ्तर की तुलना में मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम होते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग और विदेशी मेहमान उस ऐतिहासिक धरोहर का दोषार कर सकेंगे। हालांकि, अब विवादित पेंटिंग को भी हटाकर वहां केवल भारतीय सेना का आधिकारिक प्रतीक चिह्न लगाने के फैसले का पूर्व सैन्य अधिकारियों ने खुलकर स्वागत किया है। पूर्व नॉर्डन आर्मी कमांडर लॉफ्टेंडर जनरल (रिटायर्ड) एच.एस. पनाग सहित कई दिग्गजों ने इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि यह बदलाव भविष्य में 1971 के ऐतिहासिक आत्मसमर्पण वाली पेंटिंग को पुनः उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक वापस लाने की दिशा में पहला कदम साबित होगा।

सोशल मीडिया की लोकप्रियता सफलता का पैमाना नहीं: सीजेआई



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कानूनी पेशे से जुड़े युवाओं को सोशल मीडिया और ऑनलाइन विजिबिलिटी को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली लोकप्रियता या ध्यान अकार्षित करने को किसी वकील को अपनी वास्तविक सफलता नहीं माननी चाहिए। कानूनी पेशे में असली सम्मान, स्थायी पहचान और सफलता कोर्ट रूम के भीतर की गई कड़ी मेहनत, लगन और बनाई गई क्रेडिबिलिटी (विश्वसनीयता) से मिलती है, न कि किसी डिजिटल मंच या ऑनलाइन टिआरपी से।

सीजेआई सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट

एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एप्सोसिएशन (एससीओआरए) द्वारा 2025 बैच के नए एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) वकीलों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चित होना और ध्यान खींचना बेहद आसान है, लेकिन यह कभी भी अदालत की विश्वसनीयता का स्थान नहीं ले सकता। वकीलों को टीवी चैनलों की तरह टीआरपी के पीछे भागने और अपनी सफलता को ऑनलाइन लोकप्रियता से मापने के लालच से बचना चाहिए। उन्होंने युवा वकीलों को करियर के शुरुआती दिनों में बड़ी लॉ फर्म खोलने के बजाय अपनी वकालत की

कला को निखारने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिग्रियां और पद केवल अक्सर का दर्जा खोलते हैं, लेकिन एक सफल करियर काम की गुणवत्ता से ही बनता है। अपने शुरुआती करियर के अनुभवों को साझा करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि याचिकाओं और कानूनी दस्तावेजों की बेहतर डिप्लिंग ही इस वकालत की आत्मा है। उन्होंने युवा वकीलों से प्रत्येक याचिका को एक ऐसे प्रभावशाली आख्यान के रूप में तैयार करने का आग्रह किया कि जन शुरु से अंत तक उससे जुड़े रहे। इसके साथ ही, सीजेआई ने कानूनी लॉ फर्म खोलने के बजाय अपनी वकालत की

के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि एआई केवल शोध और संदर्भ का एक साधन हो सकता है, लेकिन यह कभी भी वकील की अपनी समझ और मानवीय बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकता। मुक्किल अपना मामला एक इंसान को सौंपता है, मशीन को नहीं। एआई को केवल एक कार्यालय सहायक के रूप में रखें और अपनी सोचने-समझने की क्षमता पर हावी न होने दें। अंत में उन्होंने वकीलों से पूरी ईमानदारी के साथ गरीब और वरिचत वर्ग के मुक्किलों को कानूनी सहायता (लोगल एड) प्रदान करने की अपील भी की।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग नहीं मानेगी सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्ड ने पेपर लीक विवाद पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर संसद में विस्तार से चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्षी दलों और कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की लगातार की जा रही मांग पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार में इस तरह की कोई बात नहीं हो रही है। उन्होंने विपक्ष से आह्वान किया कि वे संसद में अपनी बात रखें और सरकार हर बिंदु पर तथ्यात्मक जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्रकार वार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल इस मामले को राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए



कहा कि वह पेपर लीक के मुद्दे पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं और उनका रवैया बेहद सेलेक्टिव है। नड्ड ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों में हुई पेपर लीक की घटनाओं पर भी बोलना

चाहिए। उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय सरकार के साथ आए, ताकि देश में इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि पेपर लीक का

भारत का पाकिस्तान को दो टूक: आतंकवाद के साथ सहयोग असंभव

-जम्मू-कश्मीर पर झूठ नैरेटिव फैलाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूपएनएससी) में पाकिस्तान को दो टूक जवाब देकर स्पष्ट किया है कि जब तक सीमा पर आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक उसके किसी सार्थक सहयोग की उम्मीद नहीं हो सकती है। नई दिव्हे ने पाकिस्तान पर सीमा पर आतंकवाद को राज्य नीति के उल्लंघन के रूप में इस्तेमाल करने और जम्मू-कश्मीर पर झूठ नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत परवथानेनी हरीश ने प्राकृतिक संसाधन

शासन-शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नींव विषय पर उच्च स्तरीय खुली बहस के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हमेशा से रहा है, है और रहेगा और इसकी स्थिति संवैधानिक व कानूनी रूप से स्थापित है।

राजदूत हरीश ने बताया कि भारत का इरादा द्विपक्षीय मुद्दों को उठाने का नहीं था, लेकिन पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग कर को राज्य नीति के उल्लंघन के रूप में इस्तेमाल किया जात है। उन्होंने जोर दिया कि सीमा पर आतंकी गतिविधियों के साथ विश्वास और सद्भावना नहीं रह सकती। यह बयान आतंकवाद और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच जारी तनाव के बीच आया है।

वास्तविकता है जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करता है।

सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर भारत के रुख को साफ करते हुए राजदूत हरीश ने स्पष्ट संदेश दिया कि आपसी विश्वास और सद्भावना के आधार पर सहयोग की उम्मीद तब तक नहीं की जा सकती जब तक सीमा पर आतंकवाद को राज्य नीति के उल्लंघन के रूप में नियमित रूप से इस्तेमाल किया जात है। उन्होंने जोर दिया कि सीमा पर आतंकी गतिविधियों के साथ विश्वास और सद्भावना नहीं रह सकती। यह बयान आतंकवाद और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच जारी तनाव के बीच आया है।



बेंगलुरु ट्रिपल मर्डर : अपराध करने एआई चैटबॉट का लिया गया सहारा

-पुलिस का दावा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त, डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के चर्चित ट्रिपल मर्डर मामले को जांच में पुलिस ने दावा किया है कि मुख्य आरोपी ने कथित रूप से अपराध की योजना बनाने और साक्ष्य मिटाने के तरीकों की जानकारी जुटाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित चैटबॉट का उपयोग किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए गए हैं और उनकी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है।

व्हाट्सएप, डिजिज के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सैतुलु अदवधु ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित रूप से जहर देने, हथियारों के उपयोग, शव को छिपाने लगाने और पुलिस को गिरफ्तार से बचने से संबंधित जानकारी ऑनलाइन खोजी थी। पुलिस का



कहना है कि आरोपी की गूगल सर्च हिस्ट्री प्राप्त करने के लिए कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से एक भट्टी लगाने की योजना भी बनाई थी। पुलिस का दावा है कि उसने इस संबंध में आवश्यक उपकरण भी जुटाए थे। हालांकि, इन सभी तथ्यों की पुष्टि डिजिटल और फॉरेंसिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पारिवारिक विवाद और आर्थिक कारणों का भी उल्लेख किया है।

जांच में यह भी देखा जा रहा है कि वारदात की योजना में अन्य लोगों का क्या भूमिका थी और घटना से जुड़े सभी परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का मिलान किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल जांच जारी है और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से प्राप्त होने वाले डिजिटल साक्ष्य मामले की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पुलिस ने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट और अन्य जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम को स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।



नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रेपलिंग, कैपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूँढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप



देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप



देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौली को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है। यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेड पर बनाएं ट्रिप का प्लान



जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलेक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको ५०% मिनी स्विटजरलैंड भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय

मार्च से जून और सर्दियों में अक्टूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्ट्रे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो

आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौकाता है। इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्ट्रे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मेगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बरोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घांटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

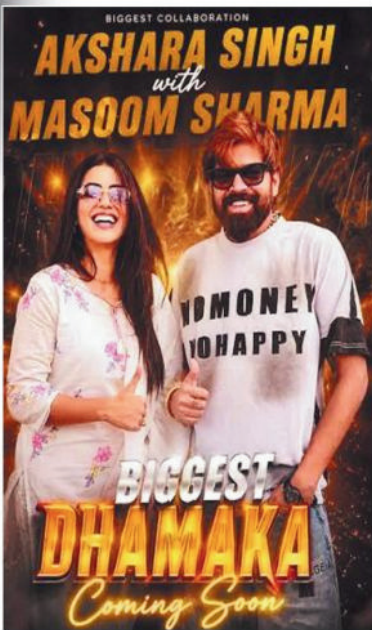
इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थीं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सन हो या

भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, 'देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।' अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो 'जूही मुई' में मुख्य भूमिका (जूही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जुड़ा रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह



अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'चिस चिस चिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईटा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का रसद, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए?' अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू पल्लवों के प्रिंट हैं। वहीं, मासूम शर्मा को डेनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।



'ईटा' में नजर आएंगी अक्षरा

'वेलकम टू द जंगल' के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईटा' में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने 'ईटा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।

'सिटी ब्यूटीफुल' फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्कॉ सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूँ कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सर्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म 'रणबाली' में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिटिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूँ या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।'



'हेरा फेरी 3' विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूँ।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिंटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूँ? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूँ या इसमें फंसेने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्टर या प्रोड्यूसर करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूँ। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में गिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में गले ही कम फिल्में की हैं, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगाधीर' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में गिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी। जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं,

'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे एक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशानसीब हूँ। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो क्लर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थीं। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी इंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और

अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएंगी। उसका स्कूल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी हैं। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से

जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूँ, तू मंदोदरी हो तो मैं कहती हूँ कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में गिलावट डराती है

अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में खाने, दूध, फल आदि में गिलावट के मुद्दे को उठा रही काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आखे खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौकें भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेंटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी। मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूँ। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूँ, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

